2015

HINDI

(Major)

Paper : 5.5

(Hindi Ka Nibandha Sahitya)

Full Marks : 60

Time : 3 hours

The figures in the margin indicate full marks for the questions

1. पूर्ण वाक्य में उत्तर दीजिए : 1×7=7

(क) अध्यापक पूर्णसिंह द्वारा लिखित पठित निबंध का नाम क्या है?

(ख) शुक्लजी के अनुसार बौद्ध दर्शन में 'अनुपराग' किसे कहते हैं?

(ग) "तुलसीदास ने भी ऊर्मिला पर अन्याय किया।" यह किसका कथन है?

(घ) आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी निबंध को क्या मानते हैं?

(ङ) 'वोल्गा से गंगा तक' किसकी रचना है?

(च) हरिशंकर परसाई किस प्रकार के निबंधकार हैं?

(छ) 'शिवशम्भू के चिट्ठे' किसकी रचना है?

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में दीजिए : 2×4=8

(क) निबंध को परिभाषित कीजिए।

(ख) ऊर्मिला ने क्या आत्मोत्सर्ग किया है?

(ग) "मेरे गुरु ने इसी प्रेम से संयम करने का नाम योग रखा है।" इस कथन का आशय स्पष्ट कीजिए।

(घ) बालमुकुन्द गुप्त के निबन्धों की दो विशेषताएँ लिखिए।

3. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **तीन** के उत्तर दीजिए : 5×3=15

(क) निबंध के महत्त्व पर प्रकाश डालिए।

(ख) पठित निबंध के आधार पर रामचंद्र शुक्ल के द्वारा निर्धारित कविता की परिभाषा लिखिए।

(ग) पठित निबंध के आधार पर कवि गुरु के द्वारा रचित 'आयोग्य' कविता का भाव स्पष्ट कीजिए।

(घ) रामधारी सिंह दिनकर के निबंधों की किन्हीं तीन विशेषताओं को रेखांकित कीजिए।

(ङ) "नीलकंठ एक गंभीरतर दुःख की तलाश में है।" निबंधकार को क्यों ऐसा कहना पड़ा?

4. सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 10

दुनिया में दुःख तो बहुत हैं, परंतु अगम-अगाध गंभीर दुःख बहुत ही कम! ठीक वैसे ही जैसे कामबोध की खुजलाहट तो सबके पास है।

अथवा

सारी दुनिया में हल्ला हो गया कि वसंत आ रहा है, और मेरे पास आया बुखार। अपने कांचनार की ओर देखता हूँ और सोचता हूँ, मेरी वजह से तो यह नहीं रुका है?

5. हिन्दी निबंध की विकास-यात्रा में महावीर प्रसाद द्विवेदी के योगदान को रेखांकित कीजिए। 10

अथवा

शुक्लयुगीन निबंध-साहित्य का संक्षेप में परिचय दीजिए। 10

6. 'मजदूरी और प्रेम' **अथवा** 'सावधानी की आवश्यकता' शीर्षक निबंध के प्रतिपाद्य की समीक्षा कीजिए। 10

★★★